केंद्रीय विद्यालय सीतापुर

विषय : राष्ट्र के सामाजिक एवं आर्थिक उन्नयन में सक्रीय भागीदारी हेतु छात्रों का आवाहन

केंद्रीय विद्यालय सीतापुर में 70वां स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2016) जोश, हर्षोल्लास एवं उत्साह से मनाया गया | विद्यालय की दोनों पालियों के छात्र, अध्यापक एवं कर्मचारी बृंद प्रातः 7 बजे राष्ट्रीय पर्व का साक्षी बनने हेतु विद्यालय पहुँचे, तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया | छात्र-कर्मचारी सभी के चेहरे पर महान देश का नागरिक होने का गौरव और दिल की गहराइयों में गांधी, नेहरू, पटेल, अम्बेडकर, भगत सिंह, आज़ाद जैसे महान स्वतन्त्रता सेनानियों एवं अन्य लाखों-करोड़ों गुमनाम देशभक्त शहीदों के प्रति कृतज्ञता व सम्मान का भाव परिलक्षित हो रहा था | विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार जी द्वारा ध्वजारोहण के साथ, लहराते हुए तिरंगे की शान में 1700 छात्रों ने जन-गण-मन की स्वर-लहरियों से गगन गुंजायमान किया | सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत प्रथम पाली के छात्रों द्वारा "वंदेमातरम्" गाने पर नृत्य के साथ हुई, इसके बाद द्वितीय पाली के छात्रों ने "झंडा गीत " प्रस्तुत किया | "माँ तुझे सलाम" व "आजाद हुआ आज के दिन देश हमारा" गाने पर उर्जा व जोश से भरी प्रस्तुति ने सब का मन मोह लिया । इसके साथ ही देश की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करती हुई अन्य अनेक मनमोहक व सराहनीय प्रस्तुतियाँ छात्रों द्वारा दी गई | विद्यालय के छात्रों ने "स्वतन्त्रता दौड़" में पूरे जोश से प्रतिभाग किया | छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम की उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ सराहना की |

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए विद्यालय के शिक्षक नीलेश कुमार मिश्र ने राष्ट्रवाद के रोपण व विकास में विद्यालयों की भूमिका पर बोलते हुए सकारात्मक व नकारात्मक राष्ट्रवाद के अंतर को स्पष्ट करते हुए भारतीय राष्ट्रवाद की विलक्षणता पर प्रकाश डाला | छात्रों में राष्ट्रवाद के विकास के लिए शिक्षा में भारतीय साहित्य व भारतीय इतिहास के महत्व को रेखांकित किया|

इस पावन पर्व पर सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार ने स्वतन्त्रता के मूल्य, स्वतन्त्रता प्राप्ति हेतु देशवासियों द्वारा किये गये संघर्ष व बलिदान को रेखांकित किया । महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद जैसे पुरोधा सेनानियों के कार्यों व देशभक्ति की चर्चा करते हुए प्राचार्य ने छात्रों को इन महापुरूषों से सीखने व प्रेरित होने का आवाहन किया | उन्होंने ऊर्जा संरक्षण व स्वच्छता जैसे कार्यक्रमों में बच्चों को सक्रिय भूमिका हेतु प्रेरित किया | बदलते हुए आर्थिक युग में भी देश के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के निर्वहन की अपील करते हुए छात्रों को एक समतामूलक विकासोन्मुख भारत के निर्माण के लिए प्रेरित किया | स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम का संचालन नवीन कुमार श्रीवास्तव एवं रजत कुमार द्वारा किया गया । छात्रों को मिष्ठान वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ ।

(सुनील कुमार)
प्राचार्य